मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

# उल्हास विकास

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 33 ■ गुरुवार, 10 अप्रैल 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

## फिल्म प्रमोशन में तमन्ना ने किया ब्रेकअप पर इशारा

# नपा ने जावसाई में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया

■ पुलिस बंदोबस्त के बीच अतिक्रमण विभाग ने की कार्रवाई

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ पश्चिम जावसाई गांव महेंद्र नगर के नाले में किए गए अवैध निर्माणों को बुधवार को अंबरनाथ नपा अतिक्रमण विभाग ने पुलिस के भारी बंदोबस्त के बीच ध्वस्त कर दिया है. गत कई महिनों से नगर परिषद को यहां के अवैध निर्माणों के बारे में शिकायतें प्राप्त हो रही थी. भूमाफिया यहां पर सरकारी भूमि को हड़प करके अवैध निर्माण कर रहे थे. यहां तक कि नालों के अंदर अवैध निर्माण किया जा रहा था. मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के आदेश पर अतिक्रमण विभाग ने जावसाई,, महेंद्र नगर में बनाए गए अवैध निर्माण 25 फाउंडेशन, 5 वाणिज्य, 7 निवासी घर निष्कासित किया है. इन अतिक्रमण धारकों को बार-बार नपा द्वारा नोटिस देने के बावजूद वह धड़ल्ले से अवैध निर्माण करके लोगों को बेच रहे थे. महावितरण द्वारा यहां पर लगाए गए बिजली के कनेक्शन को काट कर लाइट मीटर भी निकाल लिए गए हैं. ऐसी जानकारी नपा प्रशासन की ओर से दी गई है. अतिक्रमण विभाग के प्रमुख नरेंद्र संख्ये, सुनिल गावित और उनके कर्मचारी एवं जेसीबी की सहायता से ये अतिक्रमण ध्वस्त किए गए हैं. उस बड़ी कार्रवाई से यहां के अतिक्रमण धारकों में खलबली मच गई है. विदित हो कि इससे पूर्व यहां पर एक अवैध शॉप में अवैध रूप से खड़े किए गए मोबाइल टॉवर को भी नपा ने हटा दिया था.

# उल्हासनगर में अनधिकृत इमारतों पर लटकी कार्रवाई की तलवार

**उल्हासनगर.** बॉम्बे हाईकोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से एक बार फिर उल्हासनगर में सैकड़ों अनधिकृत इमारतों के खिलाफ कार्रवाई की तलवार लटकी पड़ी है। अवैध इमारत के एक मामले में न्यायालय ने उल्हासनगर महानगरपालिका और पुलिस प्रशासन को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है तथा संबंधित इमारत को गिराने का आदेश दिया है। इस निर्णय से बिल्डर लॉबी से लेकर स्थानीय राजनीतिक नेताओं तक कई लोगों की नींद उड़ गई है।

कानून का पालन न करने से अराजकता पैदा होती है। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण महत्वपूर्ण है; लेकिन इस आड़ में कानून तोड़ने वालों को कोई माफी नहीं दी जाएगी, यह बात बॉम्बे उच्च न्यायालय ने दो दिन पहले उल्हासनगर में एक अनधिकृत निर्माण मामले में स्पष्ट की।

न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ ने यह आदेश देते हुए प्रशासन की निष्क्रियता की भी कड़ी आलोचना की। पीठ ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति के निर्मित कोई भी भवन अवैध है और उसे नियमित नहीं किया जा सकता।

उल्हासनगर में बिना अनुमति के सैकड़ों इमारतें खड़ी कर दी गई हैं। इनका निर्माण सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण करके किया गया है, जिसका नियमितीकरण अभी भी लंबित है। कुछ स्थानों पर अग्नि सुरक्षा और पार्किंग संबंधी नियम भी लागू किए गए हैं। इस पृष्ठभूमि में, अदालत का निर्णय एक 'आदर्श मामला' हो सकता है। अदालत के इस फैसले के बाद शहर के नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय संगठनों ने मनपा पर कार्रवाई करने के लिए दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। 'यदि एक मामले में कार्रवाई की गई तो अन्य मामलों में क्यों नहीं?' यह प्रश्न अक्सर उठाया जाता है। उल्हासनगर में अनधिकृत निर्माण का मुद्दा कई वर्षों से लंबित है। लेकिन, अब पूरे शहर की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या अदालत के निर्णायक आदेश से यह अराजकता खत्म होगी, क्या प्रशासन सचमुच जागेगा और क्या आम नागरिकों को सुरक्षित, नियोजित और कानून का पालन करने वाली सरकार मिलेगी।

■ शहरी नियोजन के लिए उचित कार्रवाई की आवश्यकता

यह निर्णय महज कार्रवाई का मामला नहीं है, बल्कि उल्हासनगर जैसे तेजी से बढ़ते शहर के लिए एक निर्णायक क्षण हो सकता है। यदि प्रशासन इस आदेश के अनुपालन में उचित कार्रवाई शुरू करता है तो नियोजित शहरी नियोजन, सुरक्षा और कानून के प्रभाव को मजबूत किया जा सकेगा।

■ न्यायालय की भूमिका

अनाधिकृत निर्माण शहर में फैल रही एक बीमारी है. शहर का अनियोजित विकास अराजकता को निमंत्रण है. समय पर और सख्त कार्रवाई ही एकमात्र समाधान है. न केवल डेवलपर्स, बल्कि संबंधित अधिकारियों, राजनेताओं और नौकरशाहों को भी जवाबदेह ठहराएं।

■ कानून की मांग

अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाने के लिए एक अलग कानून बनाया जाना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को यह भी सुझाव दिया कि यह सलाह न केवल उल्हासनगर में बल्कि महाराष्ट्र में शहरी अराजकता को नियंत्रित करने में भी उपयोगी हो सकती है।

# एक्सपायरी खाद्य पदार्थों की बिक्री का खुलासा

**उल्हासनगर.** मनसे ने नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ सीधे खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को ज़ेप्टो आउटलेट पर धावा बोला. उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 3 स्थित इस फूड डिलीवरी सेंटर पर एक्सपायर हो चुकी खाद्य सामग्री बेचे जाने की बात सामने आई है। इससे आक्रोशित महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने ठोस कार्रवाई की और प्रबंधन को जवाबदेह ठहराया।

इस छापेमारी के दौरान पुलिस को वहां बड़ी मात्रा में एक्सपायर हो चुका खाद्य पदार्थ मिला। गौरतलब है कि मनसे ने गंभीर आरोप लगाया है कि वहां मशरूम व अन्य खाद्य सामग्री एक्सपायरी डेट के बाद भी बिक्री के लिए रखी गई थी।

मनसे कार्यकर्ता जब सीधे आउटलेट में घुसे और मैनेजर से इस बारे में पूछा तो उसने अपनी गलती स्वीकार कर ली। साथ ही, यह आश्वासन देने के बावजूद कि भविष्य में ऐसी गलतियां नहीं होंगी और सभी एक्सपायर हो चुकी वस्तुओं को तुरंत हटा दिया जाएगा.

# सिंधी संस्कृति और परंपराओं को मजबूत करने का प्रयास

**कला, साहित्य और संस्कृति के लिए अलग परिषद की केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मांग**

## नई दिल्ली में एकजुट हुईं देशभर की सिंधी हस्तियां

**उल्हासनगर.** सिंधी समाज आज भी अपनी परंपरा, कला, भाषा और संस्कृति को बचाए रखने के लिए पूरी दृढ़ता से प्रयासरत है। इसी पृष्ठभूमि में, देश भर से सिंधी समुदाय की 30 प्रमुख हस्तियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की और समाज के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

जिनमें सिंधी कला, साहित्य और परंपरा के उत्थान के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्रीय परिषद की स्थापना की जानी चाहिए, गणतंत्र दिवस परेड में सिंधी समाज की झांकी, विशेषकर पारंपरिक 'छेज' नृत्य को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि सिंधी संस्कृति का देशभर में प्रदर्शन हो सके। वहीं ललित कला अकादमी की तर्ज पर सिंधी कलाकारों के लिए एक अलग अकादमी स्थापित की जानी चाहिए, जहां प्रशिक्षण, अनुदान और प्रोत्साहन प्रदान किया जाना चाहिए। विभाजन के दर्द और सिंधी समुदाय की संघर्ष यात्रा को दर्शाने वाला एक राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में स्थापित किया जाना चाहिए। सिंधी संस्कृति के संरक्षण के लिए एक स्वतंत्र सलाहकार समिति का गठन किया जाना चाहिए और इसे केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।

### देश भर से दिग्गज हस्तियों ने भाग लिया

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने किया। उनके साथ उल्हासनगर के विधायक कुमार आयलानी, भाजपा नेता लद्दाराम नागवानी, डॉ. राम जवाहरानी, सिंधी साहित्य अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश सुखरमानी, राजस्थान के विधायक श्रीचंद कृपलानी, मध्य प्रदेश के विधायक अशोक रूहानी, गुजरात की विधायक डॉ. पायल कुकरानी, भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विक्की कुकरेजा, महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. विंकी रुग्वानी सहित पूरे भारत से प्रमुख सिंधी नेता मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह महज एक प्रतिनिधिमंडल नहीं था, बल्कि सिंधी संस्कृति के एक नए युग की शुरुआत थी।

गजेन्द्रसिंह शेखावत ने पूरी चर्चा को बड़ी गम्भीरता से सुना तथा सकारात्मक आश्वासन दिया कि इन सभी मांगों को शीघ्र ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संज्ञान में लाया जाएगा तथा इस संबंध में शीघ्र ही ठोस निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए संस्कृति मंत्रालय के माध्यम से एक विशेष समिति बनाई जाएगी, जो देशभर में सिंधी संस्कृति को मजबूत करने के लिए काम करेगी।

# अंबरनाथ के उद्यान, सड़कों, अग्निशमन केंद्र के लिए 20 करोड़ की निधि मंजूर

■ सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के प्रयासों को मिली सफलता

⏭ यूसुफ शेख

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ शहर के उद्यान, रास्ते एवं ग्रंथालय के लिए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के प्रयास से 20 करोड़ 51 लाख रुपयों की निधि मंजूर हो गई है, जिसमें पूर्व और पश्चिम के दो उद्यान, पश्चिम के रास्ते, संयुक्त अग्निशमन दल केंद्र ऐसे विविध विकास कामों का समावेश है. अंबरनाथ पश्चिम ऊलन चाल स्थित मदनसिंह मनवीर सिंह उद्यान को बहुउद्देश्यीय सभागृह निर्माण के लिए 2 करोड़ 61 लाख रुपए निधि मंजूर किया गया है. महिलाओं एवं युवकों को इससे फायदा होगा. ये भविष्य में सांस्कृतिक केंद्र बन सकता है. शहर पूर्व में साई सेक्शन के उद्यान के लिए 3 करोड़ 71 लाख रुपए मंजूर हुए हैं. पश्चिम में शंकर हाइट्स के उद्यान के लिए 3 करोड़ 74 लाख रुपए, मधु मंगेश कर्णिक उद्यान ग्रंथालय निर्माण के लिए 1 करोड़ 23 लाख मंजूर किए गए हैं. सर्वोदय नगर में आरक्षण क्र. 87 पर उद्यान विकसित करने के लिए 1 करोड़ 72 लाख रुपए की निधि मंजूर की गई है. शहर पश्चिम में वाधवा काम्प्लेक्स से नाना पाटिल चौक तक रास्ता कंक्रीटीकरण करने के लिए 2 करोड़ 99 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं. अंबरनाथ और कुलगांव बदलापुर नगर पालिका संयुक्त अग्निशमन केंद्र के लिए 70 एलएलपी वाहनों के लिए केंद्र व निवास व्यवस्था काम के लिए 2 करोड़ 72 लाख रुपए दिए गए हैं. श्रीकांत शिंदे नगरोत्थान महाअभियान में से अंबरनाथ शहर के लिए ये निधि मिले ऐसी मांग की थी. राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इन मांगों को मंजूर करते हुए सकारात्मक निर्णय लिया है और अंबरनाथ शहर के उद्यान, सड़क निर्माण आदि के लिए 20 करोड़ 51 लाख रुपयों की निधि महाराष्ट्र स्वर्ण महोत्सवी नगरोत्थान महाअभियान से उपलब्ध कराकर दिया है.

# मुझे राज व डेन्नी से जान का खतरा -राजा जेठानी

■ राज व डेन्नी पर पुलिस स्टेशनों में ठगी के मामले दर्ज

■ कईयों से कर चुके हैं धोखाधड़ी

**उल्हासनगर।** उल्हासनगर में इन दिनों पैसों की लेन-देन को लेकर कई अपराधिक गतिविधियां हो रही है। ऐसे में शहर के दो शातिर धोखेबाजों ने कई लोगों से पैसे लेकर ठगी की है। ऐसे ही एक व्यवसायी राजा जेठानी से हरपित सिंग आनंद उर्फ राज व देव दौलतराम वतनानी उर्फ डेन्नी द्वारा पैसों की ठगी का मामला सामने आया है। राजा जेठानी ने हमें बताया कि उपरोक्त दोनों व्यक्तियों को मैंने जरूरत के समय में पैसों की मदद कर लाखों रुपए दिए थे लेकिन जब मैंने उनसे पैसे वापस मांगे तो उन्होंने देने से इंकार किया है और मुझे जान से मारने की धमकी सोशल मीडिया व रूबरू आकर देने लगे कि अगर मैंने पैसे दोबारा मांगे तो मुझे जान से मार देंगे। जेठानी ने कहा कि अगर उन्हें कुछ भी होता है तो यह दोनों इसके जिम्मेदार होंगे। इस ठगी की शिकायत मैंने सेंट्रल पुलिस थाने में की है।

ज्ञात हो कि व्यवसायी राजा जेठानी ने हरपित सिंग आनंद उर्फ राज और उसके दोस्त देव दौलतराम वतनानी उर्फ डेन्नी को 5 लाख रुपए से अधिक दिए थे। लेकिन जब दोनों से रक्कम कुछ समय बाद वापस मांगी तो दोनों ने देने से इंकार किया और जान से मारने की धमकी देने लगे। व्यवसायी जेठानी ने इस मामले में न्यायालय की शरण ली है लेकिन बावजूद उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही है। जेठानी ने शहरवासियों से अपील है कि दोनों लोगों से किसी भी तरह व्यवहार न करें क्योंकि इन दोनों के विरुद्ध पहले भी पुलिस थानों में इसी तरह की धोखाधड़ी के अपराध दर्ज हैं।

ज्ञात हो कि विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने में हरपित सिंग आनंद उर्फ राज व देव दौलतराम वतनानी उर्फ डेन्नी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला कैम्प 4 निवासी गिरीश अगीचा ने दर्ज कराया था। अगीचा ने बताया कि डेन्नी ने गिरीश की कार कुछ दिनों के लिए भाडे पर राज को दी थी जिसे राज ने अब तक नहीं लौटाया है। अगीचा ने राज व डेन्नी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। विट्ठलवाड़ी पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में दोनों ने जमानत ले ली है। विट्ठलवाड़ी पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दोनों आरोपियों ने शहर में और कितने लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। इन दोनों ने जिनसे धोखाधड़ी की है वो हमसे संपर्क कर सकते हैं हम इस न्यूज़ के माध्यम से उन्हें इंसाफ दिलाने की प्रयास करेंगे।

# उल्हासनगर मनपा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र

■ डॉ. जोगदंडे रहे उपस्थित

■ प्रशासन को नये प्रेरणा की जरूरत

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर महानगरपालिका के अधिकारियों में नई प्रेरणा, नई भावना पैदा करने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका में दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र में यशदा, पुणे के प्रसिद्ध प्रशिक्षक एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. बबन जोगदंडे ने नये युग में प्रशासन कैसा होना चाहिए, इसका प्रभावशाली चित्र प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रशासनिक सुधार के 100 दिन पहल के तहत उल्हासनगर मनपा द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण के पहले दिन डॉ. बबन जोगदंडे ने उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है, इसलिए प्रशासन में भी नई तकनीक, कौशल और ज्ञान को आत्मसात करने की आवश्यकता है। यह न केवल कामकाज के लिए आवश्यक है, बल्कि जन-उन्मुख और पारदर्शी प्रशासन बनाने के लिए भी आवश्यक है।

### आत्मविश्वास, संचार और नए कौशल : सफलता की पांच कुंजी

■ इस पहल में यह भावना व्यक्त की गई कि यह व्याख्यान, जो न केवल कार्य तकनीक बल्कि विचार की दिशा, आत्मविश्वास, संचार शैली और दक्षता में भी सुधार करता है, प्रशासन के नवाचार की दिशा में पहला कदम होना चाहिए।

■ डॉ. बबन जोगदंडे ने कहा कि अपने कौशल को विकसित करते समय अंग्रेजी भाषा, संचार कौशल, आत्मविश्वास, प्रौद्योगिकी को संभालने और कड़ी मेहनत के दृष्टिकोण के 'पांच सिद्धांतों' का पालन करने से प्रत्येक कर्मचारी के व्यक्तित्व को आकार देने में मदद मिलेगी। उन्होंने परिवर्तनों से निपटने के लिए मानसिकता तैयार रखने और निरंतर सीखने पर विशेष जोर दिया।

### पहल की विभिन्न भूमिकाएँ

इस पहल के मुख्य आयोजक और मनपा के सहायक आयुक्त अजय साबले ने कार्यक्रम की शुरुआत में इस पहल के पीछे की भूमिका के बारे में बताया। यह व्याख्यानमाला मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले की अवधारणा पर आधारित आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

इस अवसर पर उपायुक्त अनंत जवादवार, सहायक आयुक्त सुनील लोंढे, विशाल कदम उपस्थित थे। कार्यक्रम के पहले दिन नासिक से आए सूचना का अधिकार कानून के विशेषज्ञ संदीप सावंत ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कानून के संबंध में कई शंकाओं का समाधान किया। इस तरह के प्रशिक्षण सत्रों का परिवर्तन की प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रशासन को अधिक प्रभावी, कुशल और जन-उन्मुख बनाने में बहुत बड़ा योगदान है।

# विधायक के घर के सामने प्रहार पक्ष के कार्यकर्ता मशाल जलाकर करेंगे आंदोलन

■ 11 अप्रैल की रात 12 बजे होगा आंदोलन

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के घर के सामने शहर प्रहार जनशक्ति द्वारा 11 अप्रैल की रात में 12 बजे मशाल जलाकर आंदोलन किया जाएगा. प्रहार पक्ष शहर अध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में 40 से 50 कार्यकर्ता मशाल जलाकर आंदोलन करेंगे. ऐसी जानकारी हमें आलम खान ने दी है. महायुति सरकार ने आश्वासन देकर भी किसानों का कर्ज माफ नहीं किया है और फसलों को उचित दाम नहीं मिलने को लेकर सरकार को घूम जाओ रवैये को लेकर सरकार को जगाने के लिए प्रहार पक्ष के संस्थापक अध्यक्ष बच्चू कड़ू के आदेश पर राज्य में प्रहार द्वारा ये आंदोलन किया जाएगा.

विधानसभा चुनाव में महायुति के नेताओं ने किसानों का सातबारा कोरा करने का आश्वासन दिया था. इस आश्वासन को लेकर किसानों ने महायुति को मतदान करके महायुति को सत्ता दिलाई. सत्ता मिलने के बाद राज्य के अर्थमंत्री ने कहा कि किसानों का कर्ज तीन वर्ष तक माफ नहीं किया जा सकता. इस बात को लेकर किसान नाराज हैं. उनकी नाराजगी को देखते हुए प्रहार के संस्थापक बच्चू कडे ने 11 अप्रैल की रात 12 बजे महायुति सरकार के विधायकों के घरों पर मशाल जलाकर आंदोलन करने का आदेश कार्यकर्ताओं को दिया है. इसी आदेश को लेकर अंबरनाथ प्रहार पक्ष के अध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में 11 अप्रैल शुक्रवार की रात में 12 बजे कार्यकर्ता मशाल जलाकर अंबरनाथ शिवसेना के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के घर के सामने आंदोलन करेंगे. आलम खान ने इस संबंध में पुलिस को भी पत्र दिया है.

# जलकुंभी से बनाए जा सकेंगे बैग, लिफाफे और सजावटी सामान

■ महिलाओं को मिलेगा रोजगार

■ जलकुंभी से महिलाएं तैयार करेंगी सजावटी सामान

**बदलापुर.** उल्हास नदी के बड़े हिस्से को जलकुंभी ने अपनी आगोश में ले लिया है और नदी को प्रदूषित कर दिया है. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से मशीनरी लाई जा रही है. वहीं अब जिला परिषद प्रशासन ने भी इस जल प्रदूषण को पुनर्चक्रित करने के लिए कदम उठाया है. जिला परिषद ने उक्त जलकुंभी के पत्तों से सजावटी सामान के उत्पादन और बिक्री के माध्यम से महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है. इसके लिए जल्द ही जिला परिषद के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा.

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अब इसको हटाने के लिए मशीनें उपलब्ध कराएगा. साथ ही उल्हास नदी में सीवेज का प्रवाह रोकने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी. जलकुंभी की कटाई के बाद उस जलकुंभी को सुखाया जाता है. इसके लिए इसमें से पानी निकाल दिया जाता है. फाइबर जलकुंभी से प्राप्त होता है. इसे प्रोसेस करने के बाद इससे बैग, लिफाफे और सजावटी सामान बनाए जा सकते हैं,

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने हाल ही में उल्हास नदी का निरीक्षण किया. कटाई के बाद, जलकुंभी को संशोधित करके विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है. तदनुसार, ठाणे जिले में महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. इसके बाद उन्हें जगह और पानी उपलब्ध कराया जाएगा. इससे जल संयंत्रों को हटाने के बाद उत्पन्न होने वाली समस्याओं का भी समाधान होगा और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे.

**जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि**

उल्हास विकास संपादकीय

## कानून-व्यवस्था के नाम पर मनमानी

उत्तर प्रदेश सरकार पिछले कुछ वर्षों से कानून का शासन स्थापित करने के दावे खूब बढ़-चढ़ कर करती रही है। मगर जमीन पर वे दावे खोखले ही निकलते रहे हैं! अपराध के खिलाफ उसकी कार्रवाई की वास्तविकता यह भी है कि नियम-कायदों के उल्लंघन की प्रकृति होती कुछ और है, लेकिन उसे कानूनी दस्तावेजों में किसी और रूप में दर्ज किया जाता है।

ऐसे ही एक मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश पुलिस के उस रवैये के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया, जिसमें दीवानी विवादों को फौजदारी मामलों में बदला जा रहा है। अदालत की पीठ ने इसे 'कानून के शासन का पूरी तरह पतन' करार देते हुए कहा कि यह प्रथा गलत है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए।

अदालत की यह टिप्पणी यह बताने के लिए काफी है कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से आए दिन कानून का शासन लागू करने को लेकर जिस तरह के दावे किए जाते रहे हैं, उस पर वास्तव में अमल करने के मामले में पुलिस किस तरह मनमानी करती है और विवादों को कैसा रूप दिया जा रहा है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कानून-व्यवस्था के नाम पर की जाने वाली ऐसी मनमानी के बूते क्या किया जा रहा है और क्या दर्शाया जा रहा है।

केवल पैसा न लौटाने को क्या ऐसे कानूनी दायरे में रखा जा सकता है, जिसे अपराध घोषित कर दिया जाए और उसी मुताबिक कानूनी कार्रवाई की जाए? अदालत ने इस पर तल्ख रुख अख्तियार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में हर रोज दीवानी मामलों को फौजदारी के मामलों में बदला जा रहा है। यह बेतुका है, सिर्फ लंबा वक्त लगने की दलील देकर दीवानी मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर दी जाएगी और आपराधिक कानून लगा दिया जाएगा।

सवाल है कि क्या इसी तरह का रवैया अपना कर राज्य सरकार अपराधों पर काबू पाने का दावा कर रही है। अगर खुद पुलिस महकमे और उसके अधिकारी नियमों को इस तरह ताक पर रख रहे हैं, तो आपराधिक मामलों में उनकी कार्रवाइयों को कितना विश्वसनीय माना जाएगा?

# आर्थिक नहीं राजनीतिक दांव है टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को और अस्थिर करने का काम किया है। चूंकि अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे बड़ा खरीदार है, इसलिए उसे वस्तुओं की बिक्री करने वाले सभी देशों पर इसका असर पड़ेगा। इसमें अमेरिका के निकट समझे जाने वाले यूरोपीय देशों तक को नहीं बख्शा गया तो प्रतिद्वंद्वी चीन पर भी टैरिफ की चाबुक चलाई गई है। ट्रंप के इस कदम को द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर सबसे नाटकीय घटनाक्रम कहा जा रहा है। अमेरिका आधुनिक वैश्विक व्यापार व्यवस्था का सूत्रधार रहा है, लेकिन ताजा पहल के जरिये वह इस व्यवस्था का बंटाधार करने पर तुला है।

टैरिफ नीति देखने में भले ही आर्थिक मामलों से संबंधित लगे, लेकिन इसकी असल जड़ें राजनीति में समाई हुई हैं। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान ही ट्रंप ने यह कहकर इसे मुद्दा बनाया हुआ था कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था असंतुलित हो गई है, जिसमें पलड़ा अमेरिका को वस्तुएं बेचने वाले देशों के पक्ष में झुका हुआ है। उन्होंने बार-बार कहा कि मौजूदा व्यापारिक परिदृश्य पर अमेरिका और अमेरिकी नागरिकों का शोषण हो रहा है और वह सत्ता में आने के बाद इस व्यवस्था को बदल देंगे। टैरिफ नीति इसी एजेंडा का हिस्सा है।

करीब 60 व्यापारिक साझेदारों को इस मामले में व्हाइट हाउस की ओर से निशाने पर लिया गया है। इसमें यूरोपीय संघ और चीन जैसे कई व्यापारिक साझेदारों पर अनुचित

नीतियां अपनाने का आरोप लगाया गया है। टैरिफ नीति को 'आर्थिक स्वतंत्रता की उद्घोषणा' करार देते हुए ट्रंप ने दावा किया कि विभिन्न देशों द्वारा ऊंचे टैरिफ एवं अन्य व्यापारिक बाधाओं के चलते ऐसी टैरिफ नीति अपरिहार्य हो गई थी। स्थिति को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करते हुए ट्रंप ने टैरिफ नीति को मेक अमेरिका ग्रेट अगेन-मागा अभियान का हिस्सा बताते हुए कहा कि बीते पांच दशकों से मित्र और बैरी, दोनों तरह के देशों द्वारा अमेरिका के साथ की गई 'लूटपाट' के चलते ऐसा किया जाना बहुत जरूरी था।'

टैरिफ ट्रंप का विशुद्ध राजनीतिक एजेंडा है। तमाम ऐसे द्वीपीय देश जिनका अमेरिका के साथ नगण्य व्यापार है, पर टैरिफ लगाया जाना इसी का संकेत है कि वह अपने मतदाताओं को संदेश देना चाहते हैं कि उनकी कथनी एवं करनी में कोई भेद नहीं। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ट्रंप ने तब इसके संकेत दे दिए थे, जब मेक्सिको और कनाडा जैसे पड़ोसी देशों पर टैरिफ का एलान किया। हालांकि हाल-फिलहाल उन्हें मामूली राहत दे दी गई, क्योंकि उन पर पहले से ही दबाव बना दिया था, लेकिन उन्हें छोड़कर ट्रंप ने किसी को रियायत नहीं दी।

ब्रिटेन जैसे पारंपरिक साझेदार पर 10 प्रतिशत, जापान पर 24 प्रतिशत और यूरोपीय संघ पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगा है। चीन पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। बदले में चीन ने भी ऐसा ही किया तो ट्रंप अब धमकी दे रहे हैं कि यदि चीन ने यह टैरिफ नहीं हटाया तो वह उस पर 50 प्रतिशत से ऊपर टैरिफ लगा देंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि अमेरिका में चीन को अब मुख्य प्रतिद्वंद्वी समझा जाने लगा है और पूर्व राष्ट्रपति बाइडन ने भी चीन पर अंकुश लगाने के कुछ कदम उठाए थे, लेकिन चीन ने अमेरिकी प्रतिबंधों का तोड़ निकालते हुए अपनी विनिर्माण इकाइयां वियतनाम और कंबोडिया जैसे देशों में स्थापित कर दीं। इसे देखते हुए ट्रंप ने टैरिफ को लेकर सर्वाधिक सख्ती इन्हीं देशों पर की है। दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश होने के नाते टैरिफ नीति पर चीन की खीझ सहज ही समझी जा सकती है। ऐसी किसी नीति से आशंकित चीन ने उससे निपटने के प्रयास भी शुरू कर दिए हैं। इसी के तहत कुछ समय पहले उसने यह कहकर भारत पर भी डोरे डालने का प्रयास किया कि दोनों देश साझा कोशिश से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। सामान्य तौर पर वैश्विक स्थापित ढांचे और कानूनों का मखौल उड़ाने वाला चीन टैरिफ के मामले में वैश्विक व्यवस्था की दुहाई देते हुए अमेरिका से ऐसे एकतरफा फैसले को वापस लेने की अपील भी कर रहा है। आर्थिक तार्किकता के दृष्टिकोण से देखें तो टैरिफ से किसी का भला नहीं होने वाला। शायद ट्रंप प्रशासन भी यह समझता है। इसीलिए उसने कहा है कि टैरिफ वापस तो नहीं लिए जाएंगे, मगर संबंधित देश अमेरिका से वार्ता कर समाधान का प्रयास कर सकते हैं।

हमारे विचार न केवल दूसरों को हानि पहुँचा सकते हैं, बल्कि आखिरकार हमें भी नुकसान पहुँचा सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

# राज्यपाल को पहली बार सुनाई खरी-खरी

राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच तनातनी पुरानी बात है, पर यह पहली बार है जब सर्वोच्च न्यायालय ने किसी राज्यपाल को खरी-खरी सुनाते हुए उसके संवैधानिक कर्तव्यों और अधिकार क्षेत्र की सीमारेखा याद दिलाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के राज्यपाल से कहा कि आप संविधान की शपथ लेते हैं। आपको किसी राजनीतिक दल की तरफ से संचालित नहीं होना चाहिए। आपको उत्प्रेरक बनना चाहिए, अवरोधक नहीं। न्यायालय की यह टिप्पणी एक तरह से उन सभी राज्यपालों को संबोधित है, जो चुनी हुई सरकारों के कामकाज में नाहक बाधा डालने की कोशिश करते हैं।

तमिलनाडु सरकार ने करीब सवा साल पहले विधानसभा में बारह विधेयक पारित कराए थे। उन्हें मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा, पर उन्होंने उसमें से दो विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज दिया और दस को वापस लौटा दिया। विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर उन विधेयकों को दुबारा पारित करा लिया गया। मगर राज्यपाल ने उन्हें मंजूरी देने के बजाय अपने पास दबा कर रख लिया। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा, तो उसने राज्यपाल के अधिकारों को रेखांकित करते हुए दुबारा पारित किए गए विधेयकों को मंजूरी देने और मुख्यमंत्री के साथ बैठ कर उनकी तकनीकी अड़चनों को दूर करने का निर्देश दिया था। मगर राज्यपाल ने उस निर्देश को भी नजरअंदाज कर दिया।

वही मामला फिर सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा, तो दो न्यायाधीशों की पीठ ने उस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि वे सभी विधेयक उसी दिन से मंजूर माने जाएंगे, जिस दिन उन्हें दुबारा पारित किया गया था। राज्यपाल को तय सीमा के अंदर, मंत्रिपरिषद की सलाह के मुताबिक

अपने विकल्पों पर विचार करना चाहिए, वरना उनके उठाए गए कदमों की कानूनी समीक्षा की जाएगी। न्यायालय की इस सख्त टिप्पणी की वजहें स्पष्ट हैं। पिछले कुछ वर्षों में न केवल तमिलनाडु, बल्कि उन तमाम राज्यों में, जहां केंद्र के विपक्षी दलों की सरकारें हैं, राज्यपाल अक्सर मुख्यमंत्री के साथ किसी पार्टी कार्यकर्ता की तरह उलझते देखे जाते रहे हैं।

पश्चिम बंगाल, केरल, पंजाब, दिल्ली, झारखंड आदि राज्यों में अनेक मौकों पर चुनी हुई सरकार और राज्यपाल के अधिकारों को लेकर अप्रिय तकरार देखी जा चुकी है। पांच राज्यों की सरकारों ने सर्वोच्च न्यायालय से गुहार लगाई थी कि राज्यपाल उनके विधायी कामकाज में बेवजह अड़ंगा डालते हैं, विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देने के बजाय उन्हें दबा कर बैठ जाते हैं। तब भी सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपालों को उनके पद की गरिमा और सांविधानिक दायित्वों का ध्यान दिलाया, मगर उनके कामकाज में कोई बदलाव नजर नहीं आया।

यह प्रकट है कि राज्यपालों की नियुक्ति केंद्र सरकार करती है और जबसे इस पद पर सक्रिय राजनीति में रह चुके लोगों को नियुक्त किया जाने लगा है, वे राज्यपाल का दायित्व निभाने के बजाय किसी राजनीतिक कार्यकर्ता की तरह दलीय प्रतिबद्धता जाहिर करते देखे जाते हैं। पिछले दस वर्षों में यह प्रवृत्ति कुछ अधिक बढ़ी है। जहां भी केंद्र के विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल सरकार के कामकाज में अवरोध पैदा करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। राज्यपाल का अधिकार क्षेत्र राज्य सरकारों के कामकाज में सहयोग और उन्हें सांविधानिक मूल्यों के अनुरूप काम करने के लिए प्रेरित करने तक है, न कि राजनीतिक गतिविधियों में अनधिकार प्रवेश कर केंद्र की इच्छाओं को पोषित करना। सर्वोच्च न्यायालय की ताजा टिप्पणी इसी प्रवृत्ति पर प्रहार है। पर, राज्यपाल इसे कितनी गंभीरता से लेंगे, कहना मुश्किल है।

# घूंघट की आड़ में मनरेगा मजदूरों का गजब आइडिया

**जरा हट के**

साड़ी पहनी कुछ महिलाएं मनरेगा मजदूरों की तरह काम कर रही थी. रंग बिरंगी साड़ियों में लिपटी इन महिलाओं ने घूंघट काढ़ रखा था और शर्मिली चाल से चलने की कोशिश कर रही थी. लेकिन उनके हाव-भाव देखकर शक गहराया तो अधिकारियों ने उनका घूंघट हटवाकर देखा तो हैरान रह गए. उस घूंघट के पीछे से पुरुषों का चेहरा निकला. इन्होंने महिलाओं को वेष धरकर सरकारी स्कीम से करीब 3 लाख रुपये का फायदा उठा लिया.

यह घटना कर्नाटक के यादगीर जिले की है, जहां इन पुरुषों ने महिलाओं के रूप में खुद के फोटो खिंचवाए और बाद में इन तस्वीरों को अटेंडेंस लगाने के लिए राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी सेवा (NMMS) पर अपलोड किया, ताकि यह गलत तरीके से दर्शाया जा सके कि महिला मजदूर यहां काम कर रही थीं. यह घटना फरवरी 2025 की बताई जा रही है. इस ठगी की

वजह से जहां सरकारी योजना को चूना लगाया गया, वहीं काम की तलाश में भटक रही वास्तविक महिला मजदूरों को रोजगार से वंचित होना पड़ा.

मल्हार गांव के पंचायत विकास अधिकारी चेन्नबसवा ने कहा, 'इस मामले में मेरी कोई भूमिका नहीं है. एक आउटसोर्स कर्मचारी ने यह सब किया और मुझे इसकी जानकारी नहीं थी. जब मामला सामने आया, तो मैंने उस कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया. अब गांव में मनरेगा योजना के तहत काम सुचारू रूप से चल रहा है. हमने 2,500 मजदूरों को काम मुहैया कराया है.'

इस बीच, ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग ने दावा किया कि मार्च से उसने मनरेगा योजना के तहत 100 दिन का रोजगार देने की पहल की थी, ताकि मजदूरों को बड़े शहरों की ओर पलायन करने से रोका जा सके. यादगिर जिला पंचायत ने भी कहा कि सभी ग्राम और तालुक पंचायतों में डिमांड सेंटर्स खोले गए हैं, ताकि जिन्हें काम की जरूरत है, उन्हें तुरंत मदद दी जा सके.

# स्ट्रीट स्टाइल चिल्ली पोटैटो

खाना-खजाना

**सामग्री :**

- 3-4 मीडियम शेप के आलू
- 4 बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर
- 2 बड़े चम्मच मैदा
- थोड़ा-सा नमक
- एक चुटकी काली मिर्च
- तलने के लिए तेल
- 1 छोटा प्याज (पतला कटा हुआ)
- 1 शिमला मिर्च (पतली स्लाइस में)
- 1-2 हरी मिर्च (लंबी कटी हुई)
- 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट
- 2 बड़े चम्मच टमाटर सॉस
- 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस
- 1 छोटा चम्मच रेड चिली सॉस
- 1 छोटा चम्मच विनेगर
- 1/2 चम्मच चीनी
- नमक स्वादानुसार
- 2 बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर + 3 बड़े चम्मच पानी (स्लरी बनाने के लिए)

**विधि :**

सबसे पहले आलू को छीलकर लंबा-लंबा French fries की तरह काट लें। इन फ्राइज को 10-15 मिनट ठंडे पानी में भिगो दें ताकि स्टार्च निकल जाए। अब पानी निकालकर सूखा लें और फिर

उसमें कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब गरम तेल में इन आलुओं को तेज आंच पर गोल्डन और क्रिस्पी होने तक तलें। पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि एक्स्ट्रा तेल निकल जाए। इसके बाद एक कड़ाही में थोड़ा-सा तेल गरम करें। अब उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और हल्का भूनें। प्याज़, शिमला मिर्च और हरी मिर्च डालकर तेज़ आंच पर 1-2 मिनट भूनें। अब उसमें टमाटर सॉस, सोया सॉस, रेड चिली सॉस, विनेगर, चीनी और थोड़ा नमक डालें। 2-3 मिनट तक पकने दें, फिर कॉर्नफ्लोर की स्लरी डालें और सॉस को गाढ़ा होने दें। अब तले हुए आलुओं को इस तीखी ग्रेवी में डालें और अच्छे से मिलाएं ताकि सारा मसाला आलुओं पर कोट हो जाए। आंच बंद करें और ऊपर से थोड़ा हरा प्याज (स्प्रिंग अनियन) या तिल छिड़कें और बस हो गए तैयार आपके चटपटे स्ट्रीट स्टाइल चिल्ली पोटैटो

# बच्चों को न बनने दें 'डिजिटल महामारी' का शिकार

**कच्ची उम्र में न हो जाएं ये गलतियां**

बच्चा खाना नहीं खा रहा और लगातार रोए जा रहा है. तभी मां ने मोबाइल लिया और उसे दे दिया. 'बेबी शार्क डु डूडुडू...' सुनते हुए बच्चे ने खुशी-खुशी खाना शुरू कर दिया. बच्चों के साथ हो रहे ऐसे नजारे आपने अपने आसपास जरूर देखे होंगे. घर के काम से थककर या फिर घर और बहार दोनों की जिम्मेदारियां संभालती मांओं ने बच्चों को संभालने का ये आसान तरीका अपनाया. लेकिन धीरे-धीरे यही बच्चे माता-पिता का हाथ छोड़, मोबाइल का ही हाथ थाम रहे हैं. अब तो आलम ये है कि सोशल मीडिया और मोबाइल का ये चस्का बच्चों के लिए 'डिजिटल महामारी' साबित हो रहा है.

**सोशल मीडिया पर नहीं फोड़ सकते ठीकरा**

चाइल्ड साइकायट्रिस्ट डॉ. अमित सेन बताते हैं, 'ये बात सही है कि पिछले कुछ सालों में बच्चों के फोकस में कमी आना, उनकी मेंटल हेल्थ की परेशानियां, डिप्रेशन, एनजाइटी जैसी चीजों में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है. इस सब में सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया का हाथ है, इसमें कोई दोराहे नहीं हैं. इस बढ़ती हुई परेशानी को देखते हुए सारा ठीकरा सोशल मीडिया पर फोड़ देना भी सही नहीं है. क्योंकि हमें ये समझना पड़ेगा कि उन्हें मोबाइल किसने दिया. हमें

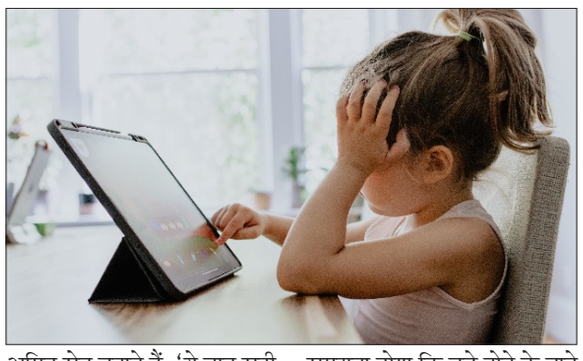

समझना होगा कि बड़े होने के नाते हमारा उनकी जिंदगी में क्या रोल है?' डॉ. सेन आगे बच्चों में बढ़ती इस परेशानी पर बात करते हुए कहते हैं, 'बच्चों पर सिर्फ माता-पिता का असर नहीं होता. बच्चा अपने स्कूल से, अपने दोस्तों से, आपने आसपास के माहौल से हर चीज से सीखता है. ऐसे में बच्चों के बीच बढ़ती इस परेशानी पर सिर्फ एक चीज पर फोकस कर नहीं देखा जा सकता. हमें बच्चों के इर्द-गिर्द बनती इस पूरी दुनिया को देखना होगा, समझना होगा.

**खुशियों का जरिया 'सोशल मीडिया' न बनने दें**

क्यूरियस पेरैंट के फाउंडर, हरप्रीत सिंह ग्रोवर बताते हैं, 'दरअसल सोशल मीडिया हमारे बच्चों को कंज्यूमर बना रहा है. वह बच्चों को सिखा रहा है कि खुशियां बाहरी चीजों से आती है. हम हाल ही में बीच पर गए और वहां मुझे तीन टीनेजर बच्चियां नजर आईं. हम 3 घंटे वहां थे और वो बच्चियां भी. लेकिन इन तीन घंटों में ये लड़कियां एक बार भी पानी में नहीं गईं. वो सिर्फ वहां फोटो खींचती रहीं. यहां किसी को जज करने की जरूरत नहीं है, लेकिन हमें अपने बच्चों को ये सिखाना होगा कि खुशियां एक्सपीरंस करने में है, उसे बताने में नहीं. सोशल मीडिया पर वेलीडेशन सबसे बड़ी परेशानी है.'

**मदरहुड के साथ फादरहुड भी है जरूरी**

हरप्रीत सिंह ग्रोवर बताते हैं, 'मुझे लगता है कि 13 साल तक के बच्चों को हमें सोशल मीडिया से दूर रखना ही होगा. हमें बच्चों का स्क्रीन टाइम लिमिट करना होगा, हमें उन्हें बताना होगा कि इस उम्र में 'डिजिटल प्राइवेसी' नहीं होनी चाहिए. हमें ये ध्यान रखना होगा कि जैसे इंटरनेट के जरिए आपका बच्चा दुनिया से मिल रहा है, वैसे ही दुनिया भी आपके बच्चे तक पहुंच रही है. ऐसे में आपको उनकी डिजिटल लाइफ पर ध्यान देना होगा. वहीं डॉ. अमित सेन कहते हैं कि हमें ये समझना होगा कि बच्चों की पेरैंटिंग का, उन्हें सोशल मीडिया से दूर रखने का जिम्मा सिर्फ मांओं का नहीं है. खासकर उस दौर में जब महिलाएं भी वर्कफोर्स का हिस्सा हैं. इस दौर में हमें फादरहुड की बात करनी होगी. बच्चों को इस डिजिटल महामारी से बचाने के लिए माता-पिता दोनों को मिलकर काम करना होगा.

## आज का राशिफल

**मेष** : विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

**वृषभ** : वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा।

**मिथुन** : शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

**कर्क** : लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**सिंह** : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

**कन्या** : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

**तुला** : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

**वृश्चिक** : नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

**धनु** : बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। प्रमाद न करें।

**मकर** : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। विवाद से क्लेश संभव है।

**कुंभ** : कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। प्रमाद न करें।

**मीन** : कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# एलोवेरा से घर पर बनाएं नेचुरल सनस्क्रीन!

**जानें 5 आसान और असरदार तरीके**

**सूरज की किरणों से करेगा बचाव**

इन दिनों तेज धूप और चुभती गर्मी से स्किन को प्रोटेक्ट करना बहुत जरूरी हो गया है. UV किरणें त्वचा पर बुरा असर डालती हैं ऐसे में सनस्क्रीन लगाना स्किन की केयर के लिए बेहद जरूरी हो जाता है. लेकिन बाजार में मिलने वाले कई सनस्क्रीन में ऐसे केमिकल्स होते हैं, जो लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, यहां तक कि पिंपल्स और दाने भी हो जाते हैं. अगर आप कोई ऐसा विकल्प ढूंढ रहे हैं जो नेचुरल हो, तो एलोवेरा की मदद से घर पर ही अपना सनस्क्रीन बना सकते हैं. मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक, एलोवेरा में मौजूद ठंडक देने वाले गुण और त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने की क्षमता इसे एक असरदार नेचुरल सनस्क्रीन बनाती है. आइए जानें एलोवेरा से घर पर नेचुरल सनस्क्रीन बनाने के आसान तरीके.

**एलोवेरा और नारियल तेल**

3-4 चम्मच एलोवेरा जेल में बराबर मात्रा में नारियल तेल मिलाएं. यह मिश्रण सूरज की हानिकारक किरणों का लगभग 20% तक प्रोटेक्ट कर सकता है और त्वचा की जलन को भी शांत करता है.

**एलोवेरा और तिल का तेल**

एलोवेरा जेल और तिल के तेल को बराबर मात्रा में मिलाएं और धूप में निकलने से पहले चेहरे पर अप्लाई करें. तिल का तेल विटामिन E और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो UV किरणों का 30% तक प्रभाव कम कर सकता है.

**एलोवेरा और ग्लिसरीन**

आधा कप एलोवेरा जेल या रस में कुछ बूंदें गुलाब जल और ग्लिसरीन की मिलाएं. इस लोशन को चेहरे और शरीर पर लगाएं. यह त्वचा को धूप से सुरक्षित रखने में सहायक है.

**एलोवेरा और जोजोबा ऑयल**

एक चम्मच एलोवेरा जेल में आधा चम्मच जोजोबा ऑयल, आधा कप गुनगुना पानी और 3-4 चम्मच जिंक ऑक्साइड मिलाएं. इसमें लगभग SPF 15 होता है, जो हल्के धूप वाले दिनों के लिए उपयुक्त है.

**एलोवेरा और शिया बटर**

एक चम्मच एलोवेरा जेल में 1-2 चम्मच नारियल तेल, 3-4 चम्मच शिया बटर और 3-4 चम्मच जिंक ऑक्साइड मिलाकर एक क्रीम बनाएं. यह त्वचा को टैनिंग से बचाएगी.

# गेहूं के आस-पास भी नहीं भटकेगा घुन!

**नमक, नीम और लहसुन का करें ये जुगाड़**

कृषि विज्ञान केंद्र नियामतपुर में तैनात कृषि एक्सपर्ट डॉ. एनपी गुप्ता ने बताया कि गेहूं को स्टोर करते समय किसानों को कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए. स्टोर करते समय किसान अगर नमी का ध्यान रखें और उसके अलावा कुछ देसी उपाय कर लें तो गेहूं को लंबे समय तक भंडारित कर सुरक्षित रखा जा सकता है. बाजार में अच्छा भाव मिलने पर किसान अपनी उपज को बेच सकते हैं और अगर किसान गेहूं की उपज को खाने के लिए भंडारित कर रहे हैं तो वह गेहूं को जहर मुक्त रख सकते हैं.

**कैसे करें गेहूं स्टोर?**

गेहूं को भंडारित करते समय 10 -12% नमी होनी चाहिए. जिससे गेहूं की उपज खराब नहीं होगी, लेकिन बरसात के मौसम में गेहूं की उपज में नमी आ जाती है और गेहूं में घुन और कीड़े लग जाते हैं. जिससे गेहूं खराब हो सकता है. ऐसे में स्टोर करते समय किसान नीम की पत्तियों को तोड़कर उनको छाया में सूखने के बाद बोरे या बखारी में भरे हुए गेहूं में रख दें, ऐसा करने से गेहूं सुरक्षित रहेगा. गेहूं के बोरों को कभी भी नमी वाली जगह पर ना रखें.

**नमक से नहीं लगेंगे घुन**

गेहूं को स्टोर करते समय किसान अगर नमक गेहूं में मिला दें तो गेहूं लंबे समय सुरक्षित रहेगा. किसान गेहूं को भंडारित करते समय ढेले वाला नमक को तोड़कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट लें और गेहूं में मिलाकर स्टोर कर दें.

**लहसुन और प्याज का ऐसे करें इस्तेमाल**

आमतौर पर रसोई में इस्तेमाल होने वाला प्याज, लहसुन और लौंग भी गेहूं को लंबे समय तक सुरक्षित स्टोर करने के लिए काफी मददगार होता है. किसान लहसुन और प्याज के छिलकों को गेहूं में रखकर स्टोर कर सकते हैं. इसके अलावा बीच-बीच में लौंग भी डाल सकते हैं. ऐसा करने से गेहूं में किसी तरह के कीड़े या घुन नहीं लगेंगे.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

## खबरें गांव की...

### फतेहपुर ट्रिपल मर्डर; अंतिम संस्कार को तैयार हुआ परिवार

**फतेहपुर.** फतेहपुर जिले के हथगाम क्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) टिकैत के जिला उपाध्यक्ष समेत तीन लोगों की हत्या के 29 घंटे बाद परिजन शवों के अंतिम संस्कार के लिए तैयार हो गए हैं। आरोपितों में से दो की एनकाउंटर में गिरफ्तारी और उनके घरों पर बुलडोजर एक्शन के बाद पुलिस को शव देने का फैसला हुआ है। ट्रिपल मर्डर के बाद तनाव को देखते हुए अखरी गांव को छावनी में बदल दिया गया है। भारी पुलिस फोर्स मौके पर तैनात कर दी गई है। डीएम रवीन्द्र सिंह और एसपी धवल जायसवाल प्रदर्शनकारी किसान और परिजनों को मनाने की कोशिश की मगर दो दौर की बातचीत का नतीजा सिफर रहा। पुलिस ने छह आरोपियों में से दो को एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद आरोपियों के घरों पर बुलडोजर एक्शन शुरू किया गया। इसके बाद परिजन तीनों शवों के अंतिम संस्कार के लिये राजी हो गये है।

### प्रॉपर्टी के झगड़े में चाचा ने दो भतीजों को छत से फेंका, एक की मौत; दूसरे की हड्डी टूटी

**कानपुर.** कानपुर की विजय नगर कॉलोनी में प्रॉपर्टी को लेकर हुए झगड़े में एक चाचा ने परिवार के साथ मिलकर अपने दो भतीजों के साथ मारपीट की और तीसरी मंजिल से उन्हें नीचे फेंक दिया। इस दौरान वह खुद भी गिर पड़ा। इतनी ऊंचाई से नीचे गिरने के चलते एक भतीजे की मौत हो गई है। पुलिस ने चाचा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि चाचा-भतीजों में छत पर झगड़ा हो रहा था। इस दौरान तीनों नीचे गिर पड़े। इनमें से एक की मौत हो गई। दूसरे की हड्डी टूट गई। आरोपी चाचा और घायल भतीजे का अस्पताल में इलाज चल रहा। विजय नगर कॉलोनी में सुरेंद्र यादव का परिवार रहता है। परिवार में पत्नी समेत तीन बेटे दीपक, संदीप और राहुल हैं। इस कॉलोनी में उनके परिवार के अलावा छोटे भाई कृष्णा यादव भी पत्नी बबीता, बेटी ईशा और बेटे रोहित के साथ रहते हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि चाचा कृष्णा कॉलोनी में प्रॉपर्टी पर कब्जा करना चाहते है।

### अमेठी में युवक की पीटकर कर हत्या

**अमेठी.** अमेठी जिले में युवक की हत्या कर दी गई है। जायस थाना क्षेत्र ग्राम तामा मऊ में घात लगाए बैठे आठ लोगों ने गांव के 32 वर्षीय सुनील पासी, उसके पिता राम शंकर पासी और मां पर लाठी डंडे व कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पिता, पुत्र और मां को लहूलुहान कर दिया। इसमें सुनील की मौत हो गई। मृतक की पत्नी प्रीति की तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के पिता राम शंकर ने बताया कि उसके उसके भाई हरिचंद्र और उसके बेटों से पुरानी रंजिश चल रही थी। इसी बात पर बीती सोमवार रात जब उनका बेटा बाइक से घर आ रहा था, तभी घर के बाहर घात लगाए बैठे हरिश्चंद्र, उसके बेटे विजय, अजय, और और कुछ अन्य लोगों ने उसे पीटना शुरू कर दिया।

# भारत से यूरोप तक बनेगा सीधा रास्ता

- गलियारे में सऊदी अरब समेत ये देश
- रफ्तार देने जा रहे PM मोदी

**नई दिल्ली.** पीएम नरेंद्र मोदी अप्रैल के तीसरे सप्ताह में सऊदी अरब जा सकते हैं। अभी तारीखों पर अंतिम फैसला होना बाकी है, लेकिन उनका दौरा करीब-करीब तय हो गया है। दो दिनों का उनका यह दौरा होगा, जिसमें वह सऊदी अरब के नेताओं के साथ कारोबार, निवेश, ऊर्जा और रक्षा संबंधों को लेकर बात करेंगे। इसके अलावा एक बड़ा एजेंडा IMEC यानी इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकनॉमिक कॉरिडोर भी होगा। इस पर जी-20 समिट के दौरान सहमति बनी थी और अब इस प्रोजेक्ट पर तेजी लाने को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी की सऊदी अरब के नेताओं से बात होगी। भारत से यूरोप तक बनने वाले रास्ते में सऊदी अरब भी एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो दुनिया का सबसे ताकतवर इस्लामिक मुल्क है। चार सालों के अंतराल के बाद पीएम नरेंद्र मोदी सऊदी अरब पहुंचने वाले हैं।

दिल्ली में 2023 में जी-20 समिट का आयोजन हुआ था। इसी दौरान IMEC को लेकर सहमति बनी थी। यह कॉरिडोर भारत के लिए भू-राजनीतिक और आर्थिक तौर पर बेहद अहम है। इस प्रोजेक्ट के तहत भारत से मिडल ईस्ट होते हुए यूरोप तक जो गलियारा जाएगा, उसमें रेल, रोड नेटवर्क शामिल होगा। इसके अलावा सड़क परिवहन भी शामिल रहेगा। पहले चरण में यह भारत से मध्य पूर्व तक होगा। इसके अलावा दूसरा हिस्सा मध्य पूर्व से यूरोप के बीच होगा। पहले पार्ट को पूर्वी कॉरिडोर कहा गया है, जो भारत के मुंबई से होते हुए मिडल ईस्ट तक जाएगा। फिर मिडल ईस्ट से सऊदी अरब तक के रास्ते को नॉर्दन कॉरिडोर कहा जाएगा। IMEC कॉरिडोर में इलेक्ट्रिसिटी केबल, हाइड्रोजन पाइपलाइन और हाईस्पीड डेटा केबल भी शामिल होंगे।

इस कॉरिडोर में भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इटली, फ्रांस और जर्मनी शामिल होंगे। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन भी इसका हिस्सा है। इस रूट पर भारत के तीन पोर्ट शामिल होंगे- गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाह। इसके अलावा नवी मुंबई का जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट भी इसका हिस्सा होगा। फिर मध्य पूर्व देश फुजैराह, जेबेल अली और अबू धाबी बंदरगाह भी इसमें शामिल होंगे। सऊदी अरब के दम्मम और रास अल खैर भी इस कॉरिडोर का हिस्सा होंगे। दिलचस्प बात है कि रेलवे लाइन भी इस कॉरिडोर में होगी और इसका हिस्सा इजरायल भी होगा। रेलवे लाइन संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह पोर्ट से गुजरेगी। इसके अलावा इजरायल के हाइफा पोर्ट को भी रेलवे लाइन कनेक्ट करेगी। फिर सऊदी अरब और जॉर्डन भी इस रेल लाइन का हिस्सा होंगे।

अब यूरोप की बात करें तो ग्रीस का पिराएस पोर्ट, साउथ इटली का मेसिना और फ्रांस का मार्सिले पोर्ट भी इसी रूट पर आएगा। इस प्रोजेक्ट के जरिए भारत से यूरोप तक सस्ता और सुगम सफर होगा। इसके अलावा मालवाहक जहाजों का सफर भी आसान होगा। खासतौर पर पाकिस्तान के भू-राजनीतिक महत्व को भी भारत कमतर कर पाएगा। इसके अलावा चीन के बेल्ट ऐंड रोड प्रोजेक्ट को भी यह गलियारा टक्कर दे सकेगा। खासतौर पर यूरेशिया क्षेत्र में चीन के बीआरआई को इससे टक्कर मिलेगी। अमेरिका भी इस परियोजना में खास दिलचस्पी है क्योंकि वह इसके माध्यम से एशिया से यूरोप तक चीन को टक्कर देने की कोशिश में है।

# पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होगा वक्फ कानून

- CM ममता बनर्जी का खुला ऐलान

**कोलकाता.** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह अल्पसंख्यकों की और उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी।

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, 'मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। आप भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे कोई बांटकर राज कर सके।' तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने लोगों से उन लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देने की अपील की जो उन्हें राजनीतिक आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाते हैं।

जाहिर तौर पर मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर मंगलवार को हुई हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिति देखिए। वक्फ विधेयक को अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। बंगाल में हमारे पास 33 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं, मैं उनके साथ क्या करूंगी?'

वक्फ (संशोधन) विधेयक तीन अप्रैल को लोकसभा द्वारा और उसके अगले दिन तड़के लंबी बहस के बाद राज्यसभा द्वारा पारित कर दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी।

बनर्जी ने कहा, 'इतिहास बताता है कि बंगाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत सभी एक साथ थे। विभाजन बाद में हुआ और जो लोग यहां रह रहे हैं, उन्हें सुरक्षा देना हमारा काम है।' बनर्जी ने कहा कि अगर लोग एकजुट हों तो वे दुनिया जीत सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'कुछ लोग आपको इकट्ठा होने और आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाएंगे। मैं आप सभी से ऐसा न करने की अपील करूंगी। कृपया याद रखें कि जब दीदी (बनर्जी) यहां हैं, तो वह आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। हमें एक-दूसरे पर भरोसा रखना होगा।'

# भारतीय नौसेना को मिलेंगे 26 मरीन राफेल

- फ्रांस से 64 हजार करोड़ की डील मंजूर
- चीन से मुकाबले के लिए हिंद महासागर में तैनाती होगी

**नई दिल्ली.** केंद्र सरकार ने फ्रांस से 26 मरीन राफेल फाइटर जेट की खरीदी को मंजूरी दे दी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी (CCS) ने 9 अप्रैल को डील पर मुहर लगाई। भारत को 64 हजार करोड़ रुपए में 26 मरीन फाइटर मिलने हैं। इसके बाद फ्रांस 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर जेट भारतीय नौसेना को सौंपेगा। इन्हें हिंद महासागर में चीन से मुकाबले के लिए INS विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन जेट की खरीद को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही थी। भारत नौसेना के लिए राफेल मरीन की डील उसी बेस प्राइज में करना चाहता था, जो 2016 में वायुसेना के लिए 36 विमान खरीदते समय रखी थी।

इस डील की जानकारी सबसे पहले PM मोदी की 2023 की फ्रांस यात्रा के दौरान सामने आई थी। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था, जिसे फ्रांस ने दिसंबर 2023 में स्वीकार किया। इससे पहले सितंबर 2016 में 59 हजार करोड़ रुपए की डील में भारत वायुसेना के लिए फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीद चुका है। 26 राफेल-एम फाइटर जेट खरीदने की डील पर पहले दौर की चर्चा जून 2024 में शुरू हुई थी। तब फ्रांस सरकार और दसॉ कंपनी के अधिकारियों ने रक्षा मंत्रालय की कॉन्ट्रैक्ट नेगोशिएशन कमेटी से चर्चा की थी। डील फाइनल होने पर फ्रांस राफेल-M जेट के साथ हथियार, सिमुलेटर, क्रू के लिए ट्रेनिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराएगा।

### गुरमीत राम रहीम जेल से 13वीं बार बाहर आया

हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल में रेप और हत्या के मामले में 20 साल की सजा काट रहा डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आया है। उसे 21 दिन की फरलो मिली है। इस दौरान राम रहीम पूरे 21 दिन सिरसा डेरे में ही रहेगा। बुधवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे उसे कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से सिरसा पहुंचाया गया। राम रहीम की मुख्य शिष्या हनीप्रीत उसे लेने रोहतक जेल आई थी। सिरसा पहुंचे राम रहीम ने वीडियो जारी कर कहा, "फिर से श्रद्धालुओं की सेवा में हाजिर हूं।

# डोनाल्ड ट्रम्प ने दवाओं पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया

- कहा- इससे फार्मा कंपनियां वापस अमेरिका आएंगी,
- भारतीय कंपनियों को हो सकता है नुकसान

**वाशिंगटन.** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि हम जल्द ही दवाइयों पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि उनका मकसद विदेश में दवा बना रही कंपनियों को अमेरिका में वापस लाना और घरेलू दवा इंडस्ट्री को बढ़ावा देना है।

ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देश दवाओं की कीमतों को कम रखने के लिए बहुत ज्यादा दबाव बनाते हैं। वहां ये कंपनियां सस्ती दवा बेचती हैं, लेकिन अमेरिका में ऐसा नहीं होता है। एक बार जब इन दवा कंपनियों पर टैरिफ लग जाएगा तो ये सारी कंपनियां अमेरिका वापस आ जाएंगी।

अगर अमेरिका दवाओं पर भी टैरिफ लगाने का फैसला लेता है तो इसका भारत पर भी असर पड़ेगा। भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनियां हर साल अमेरिका को 40% जेनेरिक दवाएं भेजती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले कि टैरिफ लगाने से फार्मा कंपनियां वापस आएंगी, क्योंकि अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो विदेशी दवा कंपनियों को भारी टैक्स चुकाना पड़ेगा। ट्रम्प दवाओं पर कब से और कितना टैरिफ लगाएंगे, इसकी तारीख उन्होंने नहीं बताई है।

अमेरिका दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खरीदने वाला देश है। यूएस ट्रेड डेटा के मुताबिक भारत, अमेरिका को सबसे ज्यादा दवा बेचने वाले टॉप-5 देशों में शामिल है। Citi का अनुमान है कि अगर टैरिफ का 50% बोझ मरीजों तक पहुंचाया गया, तो फार्मा कंपनियों की कमाई (EBITDA) पर 1% से 7% तक का असर हो सकता है।

### लंदन में दवा 88 डॉलर में, अमेरिका में 1300 डॉलर

ट्रम्प ने कहा कि दवाएं दूसरे देशों में बनती हैं और इसके लिए आपको ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। लंदन में जो दवा 88 डॉलर में बिकती है, वही दवा अमेरिका में 1300 डॉलर में बिक रही है। अब यह सब खत्म हो जाएगा।

# बिहार में बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

- MP-राजस्थान समेत 6 राज्यों में हीटवेव
- दिल्ली में 15 साल बाद अप्रैल में पारा 40 पार

**नई दिल्ली.** देशभर में भीषण गर्मी के बीच बिहार में बिजली गिरने से 3 जिलों में 10 लोगों की मौत हो गई है। आज बुधवार को 4 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट और 27 जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। असम और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का क्षेत्र के कारण बिहार तक नमी युक्त हवाएं आ रही है, जिनसे उत्तर-पूर्व के इलाकों में मौसम बदला है।

इधर, देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में अप्रैल के पहले हफ्ते से ही लू का असर तेज होता जा रहा है। राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्से हीटवेव की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश के 30 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है।

दिल्ली में 15 साल अप्रैल में तापमान 40 डिग्री के पार गया है। कई इलाकों में हीटवेव के हालात हैं। इससे पहले 2011 में यह स्थितियां बनी थीं। राजस्थान के बाड़मेर में मंगलवार को टेम्परेचर 47 डिग्री रहा। 10 साल बाद अप्रैल में बाड़मेर का पारा 47 डिग्री पहुंचा है। जैसलमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ समेत कई जिलों में तेज गर्मी रही।

# भारत में हर दिन औसत 52 प्रेग्नेंट महिलाओं की मृत्यु

- पाकिस्तान से ज्यादा मौतें भारत में हुई
- यूएन की रिपोर्ट में खुलासा

**नई दिल्ली.** महिलाओं में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के समय होने वाली मौतों पर यूनाइटेड नेशन ने एक रिपोर्ट जारी किया है। इसमें बताया गया कि दुनिया में हर 2 मिनट में एक महिला की मौत प्रेग्नेंसी या डिलीवरी से जुड़ी दिक्कतों के चलते हो रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत में करीब 19 हजार प्रेग्नेंट महिलाओं की मौत हुई। यानी हर दिन औसतन 52 महिलाएं जान गंवा रही हैं। यह आंकड़ा दुनिया में प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली कुल मौतों का 7.2% है। इस लिस्ट में भारत नाइजीरिया के बाद दूसरे नंबर पर है।

इस रिपोर्ट में पाकिस्तान में होने मौतों का भी आंकड़ा शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान में 2023 में 11 हजार मौतें हुई। यानि हर दिन औसतन 30 मौतें। आकड़ों के मुताबिक नाइजीरिया में 75,000 महिलाओं की मौत हुई। यह दुनिया में कुल प्रेग्नेंट महिलाओं की मौत का 28.7% है।

23 सालों में भारत में प्रेग्नेंट महिलाओं की मृत्यु 78% गिरी

2000 से 2023 के बीच भारत में मातृ मृत्युदर में 78% की गिरावट दर्ज की गई है। WHO के मुताबिक स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के चलते 2000 से 2023 के बीच दुनियाभर में MMR में 40% की कमी आई, लेकिन 2016 के बाद से सुधार की गति धीमी हो गई है।

WHO चीफ डॉ. टेड्रोस घेब्रेयेसस ने कहा कि ये आंकड़े बताते हैं कि प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हालात अब भी गंभीर हैं। अगर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार नहीं हुआ तो यह संकट और गहरा सकता है।

# कोहली बोले- IPL ने मेरा टी-20 गेम निखारा

विराट कोहली ने कहा- IPL की वजह से उनका टी-20 गेम निखरा है। 36 साल के कोहली ने जियो हॉटस्टार से IPL के अपने डेब्यू सीजन के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब मैंने पहली बार IPL में खेला, तो मैं पूरी तरह से डरा हुआ था। मैं जहीर-युवराज के अलावा किसी क्रिकेटर से नहीं मिला था। मेरे जैसे न्यू कमर के लिए अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करना किसी सपने से कम नहीं था।'

वर्तमान में विराट कोहली IPL में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। मौजूदा सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी।

**कोहली ने कहा-**

डेब्यू मैच में एक्साइटमेंट के साथ दबाव भी था। मुझे पता था कि मेरा खेल अभी उस लेवल का नहीं है। मुझे खुद को साबित करना था। दबाव की वजह से ही मेरा पहला सीजन अच्छा नहीं गया। लेकिन, वह अनुभव शानदार था।

### शुरुआत में टॉप ऑर्डर में खेलने का मौका नहीं मिला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने शुरुआती सालों को याद करते हुए कोहली ने कहा, 'RCB के साथ अपने पहले तीन सालों में मुझे टॉप ऑर्डर में बैटिंग करने का ज्यादा मौका नहीं मिला। मुझे आमतौर पर निचले ऑर्डर में भेजा जाता था। इसलिए मैं IPL में शुरुआत में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया।

# राष्ट्रीय पार्टियों में बीजेपी को सबसे ज्यादा चंदा

- ADR रिपोर्ट में खुलासा
- बीजेपी को मिले 2064 करोड़
- कांग्रेस को 190 करोड़ का कॉरपोरेट डोनेशन

**नई दिल्ली.** ADR यानी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सोमवार को एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में नेशनल पार्टियों को 20,000 से ज्यादा के चंदों में सबसे ज्यादा BJP को मिला।

रिपोर्ट के अनुसार, BJP को मिला चंदा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (AAP), नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPEP) और माकपा (CPI-M) को मिले कुल चंदे से 6 गुना ज्यादा है।

इस रिपोर्ट में चुनाव आयोग के आंकड़ों का एनालिसिस किया गया है। इसमें बताया गया है कि देश की 6 नेशनल पार्टियों को 20,000 रुपए से ज्यादा के कुल 2,544.28 करोड़ के चंदे की जानकारी दी गई।

इन नेशनल पार्टियों में BJP, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (BSP), AAP, CPI(M) और NPEP शामिल हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल 3755 डोनेशन कॉर्पोरेट या बिजनेस सेक्टर की तरफ से किए गए, जिनकी कुल रकम 2,262.5 करोड़ रुपए रही। यह कुल चंदे का 88.9% हिस्सा है।

BJP को सबसे ज्यादा कॉर्पोरेट डोनेशन मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, BJP को कॉर्पोरेट सेक्टर से कुल 3,478 डोनेशन के जरिए 2,064.58 करोड़ मिले। इसके अलावा 4,628 आम लोगों ने पार्टी को 169.12 करोड़ रुपए का चंदा दिया।

वहीं कांग्रेस को 190.3 करोड़ रुपए कॉर्पोरेट डोनेशन और 90.89 करोड़ रुपए आम लोगों से चंदा मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिर्फ कॉर्पोरेट डोनेशन के मामले में भी BJP को बाकी सभी नेशनल पार्टियों के मुकाबले 9 गुना ज्यादा रकम मिली।

# केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की हत्या

- पति ने मारी गोली, कट्टा फेंककर भागा
- 14 साल पहले की थी इंटरकास्ट मैरिज

**गया.** गया में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतका की पहचान सुषमा देवी के रूप में हुई है। सुषमा पूर्व सीएम के भांजे की बेटी थी।

वो अतरी ब्लॉक में विकास मित्र के पद पर काम करती थी, जबकि आरोपी पति रमेश पटना में ट्रक चलाता है। जानकारी के मुताबिक, दोपहर 12 बजे आरोपी ने घर में ही पत्नी के सीने में गोली मार दी और देसी कट्टा फेंककर फरार हो गया। दोनों की 14 साल पहले इंटरकास्ट मैरिज हुई थी। दोनों के 3 बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि वारदात से पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना अतरी प्रखंड के टेटूआ गांव की है।

### दूसरे कमरे में थी बहन और बच्चे

वारदात के वक्त मृतका की बहन और बच्चे घर पर दूसरे कमरे में ही थे। गोली की आवाज सुनते ही मृतका की बहन और बच्चे मौके पर पहुंचे। वहीं, गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी सुषमा के घर पहुंचे। फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी।

गांव के कुछ लोगों ने नाम न छापने की रिक्वेस्ट पर बताया, 'सुषमा सुंदर थी और मिलनसार स्वभाव की थी। सुषमा का ये स्वभाव रमेश को पसंद नहीं था। इसी वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया है।'

शादी के बाद रमेश सिंह ने अपना घर बेच दिया था और पत्नी सुषमा के साथ उसके घर में ही जमाई बनकर रहने लगा था।

मृतका की बहन पूनम का कहना है कि, 11 बजे वाली बस से जीजा पटना से गया पहुंचे। आंगन में घूम रहे थे। फिर जिस कमरे में दीदी थी, वहां चले गए और लॉक कर लिया।

**गांव के लोगों ने बताया कि 14 साल पहले बेलागंज थाना क्षेत्र के बरैनी गांव के रहने वाले रमेश सिंह से सुषमा की अंतरजातीय शादी हुई थी। दोनों को तीन बच्चे हैं, जिनमें 13 और 5 साल की बेटी है, जबकि 8 साल का एक बेटा है।**

केदारनाथ हेली सेवा के लिए

# 15 मिनट के अंदर 39 हजार बुकिंग!

### एक आईडी से 6 टिकट बुक होगी

एसीईओ यूकाडा दयानंद सरस्वती ने बताया, केदारनाथ हेली सेवा के तहत 1295 यात्री रोज के हिसाब से टिकट बुक की गई हैं। चूंकि यात्रा दो मई से शुरू हो रही है, ऐसे में मई में 30 दिन के लिए करीब 38,850 टिकट बुक किए।

**देहरादून.** उत्तराखंड में चारों धामों के कपाट खुलने की तारीखों के साथ ही धामी सरकार की तैयारियां भी शुरू हो गईं हैं। केदारनाथ धाम के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। चारधाम यात्रा के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरू हो चुकी है।

यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। विशेषकर केदारनाथ धाम को लेकर लोगों की श्रद्धा का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हेली सेवा की बुकिंग मंगलवार सुबह 12 बजे खुलने के मात्र 15 मिनट के भीतर ही पूरे माह के स्लॉट फुल हो गए।

इस दौरान आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर मई महीने के 38,850 टिकट बुक हुए। केदारनाथ धाम के कपाट दो मई को खुल रहे हैं। धाम के लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) और आईआरसीटीसी वेबसाइट www.heliyatra.irctc.co.in के जरिए हेली सेवा की बुकिंग ले रहे हैं।

इसके तहत मई महीने के लिए आठ अप्रैल को बुकिंग स्लॉट खुलने के 15 मिनट के अंदर ही सारी टिकटें बिक गईं। टिकट बुक कराने को लेकर मची मारामारी के चलते साइट पर लोड बढ़ गया। इससे साइट खुलने में परेशानी भी हुई।

टिकट बुक करने से चूक गए लोगों को अब जून के लिए स्लॉट खुलने का इंतजार करना पड़ेगा। मालूम हो कि केदारनाथ धाम के लिए पवन हंस, आर्यन एविएशन, हिमालयन हेली, ट्रांस भारत, ग्लोबल विक्ट्रा, थंबी एविएशन, केस्ट्रल एविएशन और एयरो एयरक्राफ्ट, हेली सेवा की सुविधा दे रही हैं।

## संक्षेप...

### मनपा लोकशाही दिवस 5 मई को

**ठाणे.** मनपा का अगला लोकशाही दिवस 5 मई को आयोजित किया जाएगा। नागरिकों को अपने आवेदन और विवरण की दो प्रतियां मई में होने वाले लोकशाही दिवस से 15 दिन पहले यानी 21 अप्रैल तक मनपा मुख्यालय में स्थित शहरी सुविधा केंद्र में जमा कर देनी चाहिए।

यह आवेदन दाखिल करते समय आवेदक को प्रत्येक आवेदन के साथ फॉर्म-1(बी) प्रस्तुत करना होगा। फॉर्म-1(बी) नागरिक सुविधा केंद्र पर उपलब्ध है।महाराष्ट्र सरकार सामान्य प्रशासन विभाग का परिपत्र क्रमांक. प्रसूधा-1099/सीआर- 23/98/18 -ए, दिनांक 26 सितम्बर 2012 के अनुसार यह स्पष्ट किया गया है कि दिसम्बर 2012 से लोकशाही दिवस पर नागरिकों के अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे तथा इन अभ्यावेदनों की दो प्रतियां लोकशाही दिवस से 15 दिन पूर्व मनपा कार्यालय में जमा करानी होंगी।

# मुंबई में यूपी-बिहार वाले रहेंगे या नहीं, MNS करेगी फैसला!

## मनसे की मान्यता रद्द करने की याचिका पर बिफरे संदीप देशपांडे

**मुंबई.** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है. इतना ही नहीं याचिकाकर्ता उत्तर भारतीय विकास सेना के प्रमुख सुनील शुक्ला ने चुनाव आयोग से मनसे की मान्यता रद्द करने की भी मांग की है. राज ठाकरे ने गुढ़ीपाड़वा के मौके पर अपने कार्यकर्ताओं को कुछ आदेश दिए थे. राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं को कहा था कि वे जांच करें कि बैंकों, दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों में मराठी भाषा का प्रयोग किया जा रहा है या नहीं.

इसके बाद राज्य भर में MNS कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग बैंकों में जाकर मराठी भाषा के इस्तेमाल पर हंगामा किया कई जगह तो मारपीट भी की गई. इसके बाद उत्तर भारतीय विकास सेना के प्रमुख सुनील शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट में

याचिका दायर की. उन्होंने आरोप लगाया कि MNS कार्यकर्ता हिंदी भाषियों पर हमला कर रहे हैं और राज ठाकरे के भड़काऊ भाषणों के कारण ऐसा हो रहा है.

### MNS की मान्यता रद्द करने की भी मांग

उन्होंने चुनाव आयोग से MNS की मान्यता रद्द करने की भी मांग की है. जिसके बाद मनसे की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया सामने आई है. एमएनएस के मुंबई अध्यक्ष संदीप देशपांडे ने X पर पोस्ट कर धमकी देते हुए लिखा, "कई भैया लोग कोर्ट में जाकर कह रहे हैं कि मनसे की मान्यता रद्द होनी चाहिए. अगर वो मराठी लोगों की पार्टी को बंद करने की कोशिश करने जा रहे हैं, तो हमें इस बात पर विचार करना होगा कि भैया लोगों को मुंबई, महाराष्ट्र में रहने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं.₹

### संजय निरुपम ने MNS के रवैये पर खड़े किए सवाल

अब इस मामले में शिंदे की सेना भी कूदती हुई नजर आ रही है. शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम ने मनसे के रवैये पर सवाल खड़ा करते हुए कहा, "मनसे द्वारा महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों से मराठी बोलने का आग्रह कोई नई बात नहीं है. महाराष्ट्र की माटी से जुड़े होने के नाते मराठी भाषा का सम्मान करना हर किसी का कर्तव्य है चाहे वह औपचारिक स्थिति हो या अनौपचारिक हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जो लोग हाल ही में शहर में आए हैं या जिन्हें मराठी बोलनी नहीं आती, उन पर दबाव बनाया जाए या उनके साथ मारपीट की जाए.
उन्होंने आगे कहा, "किसी भी भाषा को सिखाने का रास्ता प्रेम और संवाद से होकर जाता है, न कि हिंसा और धमकी से. हाल ही में कुछ बैंकों में कर्मचारियों के साथ हुई मारपीट जैसी घटनाएं निंदनीय हैं." हालांकि इस मामले में राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं को पत्र लिखकर फिलहाल के लिए मराठी भाषा पर इस आंदोलन को स्थगित करने का आदेश दिया है.

# पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे को कोर्ट से झटका

## पत्नी होने का दावा कर रही महिला को देंगे गुजारा भत्ता

**मुंबई.** मुंबई की एक सत्र अदालत ने कहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे का उनकी पहली पत्नी होने का दावा करने वाली महिला के साथ संबंध प्रथम दृष्टया 'विवाह की प्रकृति' का है और वह महिला घरेलू हिंसा कानून के तहत राहत की हकदार है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शेख अकबर शेख जाफर ने शनिवार को दिए गए आदेश में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने करुणा मुंडे नामक महिला को अंतरिम भरण-पोषण राशि देने के एक मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी थी।

राकांपा नेता ने अपनी अपील में दावा किया था कि करुणा मुंडे से उनका विवाह कभी नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि वह कानूनी रूप से विवाहित पत्नी हैं या नहीं, इसका निर्णय उचित मंच द्वारा किया जाना चाहिए।

बुधवार को उपलब्ध हुए अदालत के विस्तृत आदेश के

अनुसार, महिला और मुंडे का संबंध विवाह जैसा है क्योंकि महिला ने उनके दो बच्चों को जन्म दिया है और यह 'साझा आवास में रहे बिना संभव नहीं है।'

अदालत ने कहा कि एक प्रसिद्ध नेता की जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए मजिस्ट्रेट द्वारा करुणा मुंडे को अंतरिम भरण-पोषण दिए जाने का आदेश देना उचित है। अदालत ने कहा कि करुणा और उनके बच्चों को भी वही जीवनशैली मिलनी चाहिए जो नेता को प्राप्त है।

बांद्रा मजिस्ट्रेट अदालत ने चार फरवरी को करुणा की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए राकांपा विधायक को आदेश दिया था कि वह महिला को प्रति माह 1,25,000 रुपये और उनकी बेटी को 75,000 रुपये दें।

महिला ने वर्ष 2020 में धनंजय मुंडे के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था और मुख्य याचिका पर अभी निर्णय होना बाकी है। पूर्व मंत्री ने अंतरिम आदेश के खिलाफ सत्र अदालत में अपील दायर की थी।

अदालत ने अपील खारिज करते हुए कहा कि यह स्थापित कानून है कि ₹वह महिला जिसे घरेलू हिंसा का शिकार बनाया गया हो और जो विवाह सरीखे 'लिव-इन' संबंध में रही हो, जिसे समाज ने भी मान्यता दी हो, वह घरेलू हिंसा कानून के तहत राहत की हकदार है।₹

हालांकि, धनंजय मुंडे ने दलील दी कि वह महिला ₹ना तो उनकी पत्नी हैं और ना ही वह महिला के साथ 'लिव-इन संबंध' में कभी रहे हैं।₹ उनके वकील ने अदालत में दलील दी कि महिला किसी भी राहत की हकदार नहीं है।

अदालत ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर रखे गए 'वसीयतनामा' और 'स्वीकृतिपत्र' जैसे दो दस्तावेज यह दिखाते हैं कि महिला के साथ संबंध विवाह जैसे थे।

# मुंब्रा में बच्ची से रेप के बाद उसका गला काटा

- शव को 6वीं मंजिल से नीचे फेंका
- खिलौना देने के बहाने साथ ले गया था आरोपी, गिरफ्तार

**मुंब्रा.** मुंब्रा में 10 साल की बच्ची की रेप के बाद गला काटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद आरोपी ने शव को 6वीं मंजिल के अपने फ्लैट की बाथरूम की खिड़की से नीचे फेंक दिया। पुलिस ने 20 साल के आरोपी आसिफ अकबर मंसूरी को गिरफ्तार कर लिया है।

ठाणे पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार रात को मुंब्रा इलाके के सम्राट नगर इलाके के में हुई। ठाणे मनपा के आपदा प्रबंधन चीफ यासीन तड़वी ने बताया कि घटना की जानकारी रात 11.48 बजे मिली थी। जिस इमारत में यह घटना हुई वो 10 मंजिला है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी

बिहार के बांका जिले के सुल्तानपुर का रहने वाला है। वो खिलौना देने का लालच देकर बच्ची को अपने साथ ले गया था। इसके बाद 6वीं मंजिल पर मौजूद अपने फ्लेट में उसने वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ POCSO, हत्या, सबूत मिटाने और झूठी जानकारी देने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के फ्लैट की तलाशी ली गई। वहां से सबूत मिले हैं। आरोपी ने बिल्डिंग के पीछे मौजूद नाले में शव फेंका था। आस-पास रहने वाले लोगों ने तेज आवाज सुनी थी। इसके बाद लोगों ने शव देखा था।

# ठाणे मनपा में CPR कार्यशाला का आयोजन

**ठाणे.** आपातकालीन स्थिति में व्यक्ति को सी.पी.आर देकर स्थिति को नियंत्रण में कैसे लाया जाए इस पर व्यावहारिक प्रशिक्षण देने वाली कार्यशाला स्व. नरेन्द्र बल्लाल सभागार में किया गया।मनपा आयुक्त सौरभ राव ने भी सी.पी.आर करने का प्रशिक्षण लिया और इस तरह के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण के आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग की प्रशंसा की।इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, उपायुक्त उमेश बिरारी,स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतना नितिल के.सहित मनपा कर्मचारी भी उपस्थित थे।यह प्रशिक्षण इंडियन सोसायटी ऑफ

एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स व डॉ. राजन जोशी की ओर से आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. श्वेता पाटिल, डॉ. विराल हरिया भी मौजूद थे।डॉ. राजन जोशी ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि सी.पी.आर देने के लिए डॉक्टर होने की आवश्यकता नहीं है। आपातकालीन स्थिति में किसी व्यक्ति की जान बचाना महत्वपूर्ण है। इसलिए हर व्यक्ति के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि सी.पी.आर कैसे दिया जाता है। डॉ. जोशी ने बताया कि सी.पी.आर, हृदयाघात या श्वसन रुकने के बाद जान बचाने के लिए दिया जाने वाला एक महत्वपूर्ण उपचार है। जिसमें छाती को दबाया जाता है और बचाव श्वास ली जाती है।यदि कोई व्यक्ति सड़क पर या कार्यालय में बेहोश हो जाए तो सबसे पहले उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। सी.पी.आर देते समय जांच लें कि मरीज जाग रहा है या नहीं।दोनों हाथों को रोगी की छाती के बीच में रखें और दबाव डालें।जब तक मरीज होश में न आ जाए या डॉक्टर न आ जाए तब तक सी.पी.आर देते रहें। यदि मरीज सी.पी.आर के दौरान प्रतिक्रिया नहीं करता है तो तुरंत 108 पर कॉल करें और मरीज को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल में भर्ती कराएं। डॉ. ने यह भी कहा कि सी.पी.आर से व्यक्ति की जान बच सकती है। इसलिए सभी को सी.पी.आर देने का प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है।

# पुलिस स्टेशन में जब्त/लावारिस पड़े वाहनों के मालिकों की तलाश

**उल्हासनगर.** पुलिस थाने में जब्त वाहन/अपराध से संबंधित वाहन कई वर्षों से थाना परिसर में पड़े हुए हैं तथा जंग लगकर खराब हो गए हैं। कई वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर, चेसिस नंबर और इंजन नंबर जंग खा गए हैं। इसलिए, खोज करने में बहुत कठिनाई होती है। इसके अलावा, क्षेत्र में फैल रही दुर्गंध के कारण पुलिस के स्वास्थ्य को भी खतरा होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसलिए इन लावारिस पड़े वाहनों के मालिक अपने वाहनों के दस्तावेज उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में दिखाकर 5 दिनों के भीतर जमा करवा लें, अन्यथा पुलिस उन वाहनों की कानूनी नीलामी प्रक्रिया पूरी करेगी, ऐसी अपील उल्हासनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री विष्णु ताम्हाणे ने की है।

**ठाणे.** जिला परिषद लोक निर्माण विभाग को स्थानांतरित किया जायेगा।निर्माण विभाग परिसर में स्थित कार्यालयों के नवीनीकरण के कार्य के कारण, जिला परिषद के कामकाज के दृष्टिकोण से निर्माण विभाग को ठाणे मनपा पार्किंग प्लाजा 9वीं मंजिल, ईस्टन एक्सप्रेस हाईवे, सर्विस रोड, जुपिटर अस्पताल के पास, ठाणे (पश्चिम)- 400606 में स्थानांतरित कर दिया गया है।

## ठाणे जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट के उत्कृष्ट कार्य के लिए

# स्वास्थ्य मंत्री अबिटकर ने किया सम्मानित

**ठाणे.** विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर, राम शिंदे और सचिव डॉ.निपुण विनायक व वीरेंद्र सिंह और आयुक्त को मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) कार्यक्रम के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिले के रूप में सम्मानित किया गया। ठाणे जिले को निपुण विनायक और वीरेंद्र सिंह तथा स्वास्थ्य सेवा आयुक्त और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक अमगोथु श्री रंगा नायक द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया

गया।सम्मान ग्रहण करते समय जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे, जिला मातृ एवं शिशु कल्याण अधिकारी डॉ. स्वाति शिंदे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अमोल बाग सहित अधिकारी व कर्मचारी और मोबाइल मेडिकल यूनिट उपस्थित थी।जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के विशेष मार्गदर्शन में चयनित गांवों का दौरा, जांच किए गए मरीजों की संख्या, आयोजित जांच, गैर-संचारी रोगों की जांच, गर्भवती माताओं की जांच आदि के संदर्भ में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए टीम को सम्मानित किया गया है।

### आम सूचना

मैं श्रीमती विदी जगदीश फतनानी उर्फ मिस हेमलता हरिराम अमेसर सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप नं. 4, ग्राऊंड फ्लोर, शिव गंगा अपार्टमेंट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 16एआय022231700) उक्त प्रॉपर्टी लक्ष्मी हरिराम अमेसर के नाम पर है। उनसे गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 27.9.2001 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती विदी जगदीश फतनानी उर्फ मिस हेमलता हरिराम अमेसर**

# शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन तीर्थ में विश्व नवकार महामंत्र का भव्य आयोजन

**ठाणे.** शहर स्थित घोडबंदर रोड परिसर के शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन तीर्थ मंदिर में जीतो संस्था की ओर से विश्व नवकार महामंत्र दिवस उत्साह की कड़ी में सकल जैन सोसियल ग्रुप ने सुबह 8 बजे से नवकार महामंत्र का सामुहिक जाप उत्साह और उंमग के साथ किया।इस नवकार महामंत्र दिवस पर्व के अवसर पर घोड़बंदर रोड के सभी सकल जैन परिवार इस महा पर्व तन मन धन से हिस्सा लिया।नवकार मंत्र केवल एक प्रार्थना नहीं, बल्कि शांति, शक्ति और पवित्रता की ओर एक यात्रा है।घोड़बंदर रोड़ के जैन सकल परिवार के लिए एक एतिहासिक कार्यक्रम रहा है इस नवकार महामंत्र दिवस के महापर्व के कार्यक्रम में 300 से भी ज्यादा धर्म प्रेमी भाग लिया।हम सभी एकजुट होकर नवकार मंत्र का जाप करें और समस्त जीवों के कल्याण के लिए प्रार्थना करें।नवकार मंत्र-समस्त जीवों के कल्याण का महामंत्र है।यह अवसर है जब समस्त जैन समाज एक साथ नवकार मंत्र का जाप करके विश्व में शांति, अहिंसा, और कल्याण की ऊर्जा फैलाएगा।इस दिन 108 देशों में 6000 अधिक स्थानों पर और 100 अधिक मेगा आयोजनों में लाखों साधक मिलकर इस पवित्र मंत्र का जाप किया।

### नवकार मंत्र का महत्व:

नवकार मंत्र किसी व्यक्ति विशेष या जाति के लिए नहीं है, बल्कि यह मंत्र समस्त सिद्धों, आचार्यों, उपाध्यायों, साधुओं और सम्यकदर्शी आत्माओं को नमस्कार करता है। यह राग-द्वेष से मुक्त, सर्व जीवों के प्रति करुणा और अहिंसा का संदेश देने वाला और मोक्ष की प्रेरणा देने वाला मंत्र है।नवकार मंत्र का जाप करें और आत्मकल्याण के साथ समस्त जीवों के मंगल की भावना रखें।

मंत्रः णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं।

णमो आयरियाणं,णमो उवज्झायाणं णमो लोए सव्वसाहूणं।एसो पंच नमोक्कारो, सव्व पावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं।जैन दर्शन के अनुसार यह मंत्र मोक्षमार्ग की प्रेरणा देता है और सभी जीवों के कल्याण की दिशा में कार्य करता है।यह दिन विशेष बनाएं

# थाना जिला माहेश्वरी समाज द्वारा लसीकरण कैंप का आयोजन

## भिवंडी सेंटर पर 50 कन्याओं का लसीकरण

**भिवंडी.** बांगड़ मेमोरियल मेडिकल ट्रस्ट एवं थाना जिला माहेश्वरी सभाध्यक्ष महेश सोनी, सचिव प्रशांत तोष्णीवाल तथा आरोग्य समिति संयोजक डॉ.विलास लड्ढा,डॉ उज्वला बर्दापूरकर (यश नर्सिंग) के संयुक्त प्रयास से थाना जिला के 3 शहरों में युवतियों के लिए कैंसर वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया. भिवंडी सेंटर पर सर्वाधिक 50 कन्याओं का लसीकरण किया गया.

उक्त मौके पर जिला युवाध्यक्ष रवि भट्टर, भिवंडी अध्यक्ष श्रीधर कोठारी,सचिव मोहन राठी, महिलाध्यक्ष कीर्ति बिर्ला, सचिव सरिता बजाज आदि उपस्थित रहे.मेडिकल कैंप में अधिक तापमान गर्मी के बाद युवतियों में भारी उत्साह देखा गया. भिवंडी कैंप के नियोजन में जिला कोषाध्यक्ष विवेक बाहेती,जनसंपर्क मंत्री अविनाश सिकची एवं सांस्कृतिक मंत्री रेणु बिड़ला आदि का विशेष सहयोग रहा. वैक्सीन देने वाली कन्याएं वंशिका अजय झवर एवं कु रिया योगेश झवर,कु दिव्या मनमोहन बजाज ने पहले सभी का पंजीकरण प्रक्रिया संभाली और आखिर में खुद वैक्सीन लगवाई.

Ulhasnagar municipal corporation
उल्हासनगर महानगरपालिका
मुख्य प्रशासकीय इमारत, चोपडा कोर्ट रोड, उल्हासनगर - 3

| दुरध्वनी क्र. | विस्तार क्र. | संकेत स्थळ. | ई-मेल आय डी. |
|---|---|---|---|
| 0251-2720116-125 | 232/268 | www.umc.gov.in | umc.sanitation@gmail.com |

जा.क्र.उमपा/आवि/उप-आ/13 /2025
दिनांक-08/04/2025

### जाहिर सुचना

उल्हासनगर शहरातील विविध सेवा भावी संस्थाना जाहिर आवाहन करण्यात येते की, उल्हासनगर शहरात नागरीकांच्या सोईच्या दृष्टीने 1) डालाडा प्रेस बाजार, प्रेस बाजार रोड, उल्हासनगर 3 2) उल्हासनगर रेल्वे स्टेशनच्या बाजुला, उल्हासनगर - 3 या ठिकाणी महानगरपालिके मार्फत शौचालय बांधण्यात आले आहे. तसेच हिराघाट टेम्पो स्टॅन्ड शिव सेना शाखे समोर, उल्हासनगर 3 (BOT) तत्वावर सदरचे शौचालय पैसे दया व वापरा या तत्वावर अटी व शर्तीनुसार देणेसाठी इच्छुक संस्थानी अर्ज 10/04/2025 रोजी पासुन ते 16/04/2025 पर्यंत आरोग्य विभागात लेखी स्वरुपात सर्व कागदपत्रांसही सादर करावयाची आहेत.

वर नमुद केलेल्या दिनांक मध्ये अर्ज प्राप्त न झाल्यास किंवा संस्था यांचे आधिकृत प्रमाण पत्र नसल्यास महानगरपालिकेकडे प्राप्त अर्जानुसार सदर संस्था यांना सदरचे शौचालय पैसे दया व वापरा या तत्वावार गुणवत्तेनुसार वितरण करणे यईल.

सही/-
**(मनिष हिवरे)**
सहा. सार्वजनिक आरोग्य अधिकारी
उल्हासनगर महानगरपालिका

मा. प्रशासक तथा आयुक्त यांच्या मान्यतेने
जा.क्र. उमपा/पीआरओ/28/2025
दिनांक :- 09/04/2024

# फिल्म प्रमोशन में तमन्ना ने किया ब्रेकअप पर इशारा

- विजय से अलग होने के बाद कहा- मुश्किल वक्त में बाहर नहीं, अंदर ढूंढें जवाब

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का रिश्ता अब बीते दिनों की बात हो चुका है। दोनों ने कभी अपने रिश्ते को लेकर खुलकर कुछ नहीं कहा, लेकिन अब जब दोनों अलग हो चुके हैं, तो तमन्ना ने पहली बार अपने टूटते रिश्ते के बीच गुजरे मुश्किल वक्त पर बात की है।

मंगलवार (8 अप्रैल) को मुंबई में तमन्ना अपनी अपकमिंग तेलुगू फिल्म 'ओडेला 2' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं। वहां जब उनसे पूछा गया कि वो मुश्किल वक्त को कैसे संभालती हैं, तो उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे लोगों को लगा कि वो अपने और विजय वर्मा के ब्रेकअप की बात कर रही हैं।

तमन्ना ने कहा, 'जब जिंदगी में कोई प्रॉब्लम आती है या हम किसी डिफिकल्ट फेज से गुजरते हैं, तो हम बाहर सहारा ढूंढते हैं। लेकिन जो मैंने सीखा है, वो ये है कि जो भी चाहिए होता है वो हमारे अंदर ही होता है। बाहर ढूंढने की जरूरत नहीं है। अगर हम सच में अंदर झांककर देखें, तो हर सवाल का जवाब हमें मिल जाता है।' इवेंट के दौरान, उनसे वहां एक मजेदार सवाल भी पूछा गया - 'ऐसी कोई पर्सनालिटी है जिस पर आप तंत्र-मंत्र की विद्या से विजय पाना चाहती हैं?'

इस पर तमन्ना ने हंसते हुए कहा, 'ये तो आपको ही करना पड़ेगा। फिर सारे पैपराजी मेरी मुट्ठी में होंगे। क्या कहते हो? कर लें? सिर पे ही कर लें? सब पैपराजी फिर मेरी हर बात ध्यान से सुनेंगे।'

### क्या है तमन्ना-विजय के ब्रेकअप की वजह?

तमन्ना और विजय वर्मा के ब्रेकअप की खबरें कुछ हफ्ते पहले आई थीं। कहा गया कि 'लस्ट स्टोरीज 2' में साथ काम करते हुए उनका रिश्ता शुरू हुआ था, लेकिन अब दोनों अलग हो गए हैं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099